दैनिक सवेरा टाइम्स
अंधेरे से उजाले की ओर...

प्रदेश में 3 मार्च से शुरू होंगी 10वीं-12वीं कक्षा की वार्षिक परीक्षाएं

सवेरा न्यूज/रोहित सैनी

गग्गल,26 नवंबर : हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड ने शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए 10वीं और 12वीं कक्षा (नियमित और राज्य मुक्त विद्यालय) की वार्षिक परीक्षाओं की तिथियां घोषित कर दी हैं जो कि बोर्ड अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने परीक्षा और मूल्यांकन का पूरा शैड्यूल जारी कर दिया है , बोर्ड द्वारा जारी शैड्यूल के अनुसार दोनों कक्षाओं की लिखित परीक्षाएं 3 मार्च 2026 से शुरू होंगी।

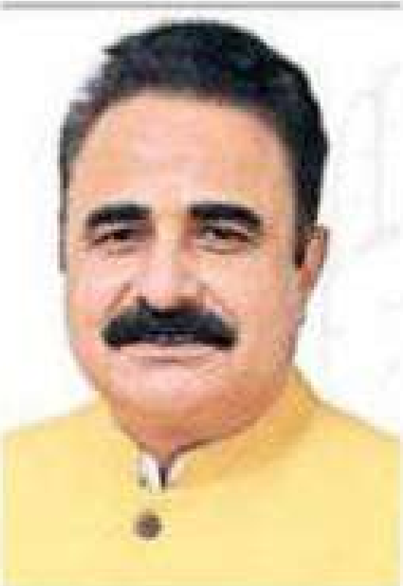

डा. राजेश शर्मा।

10वीं की परीक्षाएं 28 मार्च तक चलेंगी, जबकि 12वीं की परीक्षाएं 1 अप्रैल तक जारी रहेंगी। सभी परीक्षाएं प्रात:कालीन सत्र में सुबह 9:45 से दोपहर 1:00 बजे तक आयोजित की जाएंगी। इससे पहले छात्रों की प्रायोगिक परीक्षाएं (प्रैक्टीकल एग्जाम) 20 से 28 फरवरी तक संपन्न करवाई जाएंगी जिससे बोर्ड अध्यक्ष डा. राजेश शर्मा ने बताया कि इस बार परीक्षा प्रक्रिया को समयबद्ध तरीके से पूरा करने के लिए मूल्यांकन का भी पूरा कार्यक्रम तय कर दिया गया है। उत्तर पुस्तिकाओं का संग्रह 12 मार्च, प्राप्त और खोलने की तिथि 17 मार्च, मूल्यांकन हेतु तैयारी 21 मार्च, स्पॉट मूल्यांकन का आरंभ 2 अप्रैल और समापन 22 अप्रैल, परिणाम प्रसंस्करण 23 अप्रैल तथा परिणाम 30 अप्रैल को घोषित किए जाएंगे। डॉ. शर्मा ने कहा कि परीक्षा प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और निष्पक्ष होगी, जिससे छात्रों को समय पर सही परिणाम मिल सकें और वे अपने आगे के भविष्य की योजना बना सकें।

दैनिक सवेरा टाइम्स
अंधेरे से उजाले की ओर...

सवेरा भवन पधारे हिमाचल प्रदेश शिक्षा बोर्ड के चेयरमैन डा. राजेश शर्मा

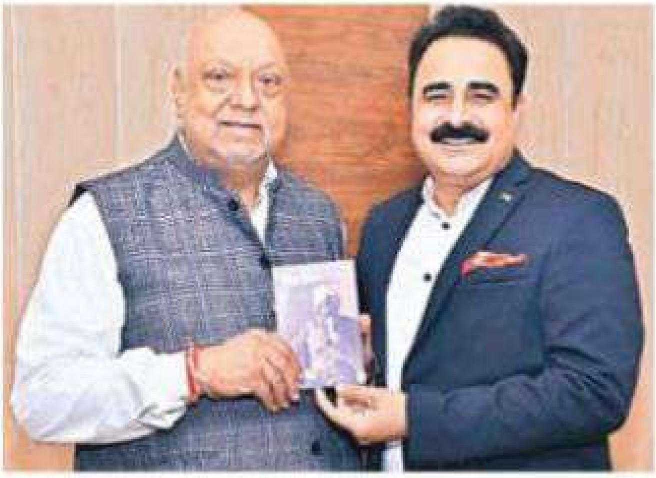

जालंधरः हिमाचल प्रदेश शिक्षा बोर्ड के चेयरमैन डा. राजेश शर्मा दैनिक सवेरा मुख्यालय पधारे। इस अवसर पर मुख्य संपादक श्री शीतल विज के साथ विभिन्न विषयों पर चर्चा करते डा. शर्मा तथा (दाएं) श्री शीतल विज को देश के प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू पर आधारित पुस्तक 'द विजनरी' भेंट करते डा. राजेश शर्मा।

दैनिक सवेरा टाइम्स
अंधेरे से उजाले की ओर...

पंडित नेहरू के बारे में बच्चों तो बताना गुनाह है तो मैं बार-बार ऐसा गुनाह करना चाहूंगा : डा. राजेश शर्मा

सवेरा न्यूज

जालंधर, 26 नवंबर : हाल ही में भारत के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू पर आधारित पुस्तक द विजनरी को लेकर हिमाचल प्रदेश शिक्षा बोर्ड के चेयरमैन डा. राजेश शर्मा भाजपा के निशाने पर हैं। भाजपा इसे बच्चों में कांग्रेसी विचारधारा थोपने का आरोप लगा रही। बढ़ते राजनीतिक विवाद पर दैनिक सवेरा टाइम्स से बातचीत में डा. राजेश शर्मा ने बेबाकी से अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि यदि भारत के पहले प्रधानमंत्री के बारे में बात करना गुनाह है, तो वह इस गुनाह को बार-बार करना चाहेंगे। पेश हैं इस बातचीत के कुछ अंश....

दैनिक सवेरा : आपकी पुस्तक दि विजनरी को लेकर राजनीतिक बहस छिड़ गई। भाजपा इसे बच्चों पर कांग्रेसी विचारधारा थोपने की बात कह रही है। भाजपा का यह आरोप कहां तक सही है?

डा. राजेश : आप यह मानकर चलिए कि कांग्रेस ही एक ऐसी पार्टी थी, जिसने देश को आजाद करवाया। यह कोई कांग्रेसी सोच नहीं, बल्कि यह देश की सोच है। कांग्रेस पार्टी देश की पार्टी है और कांग्रेस ने हमें आजादी दिलाई है। हमें केवल अंग्रेजों से ही नहीं बल्कि अशिक्षा से भी आजादी दिलाई है, जिसमें पं. नेहरू का विशेष योगदान रहा है। इस पुस्तक में उनके विचार बताए गए हैं। इस किताब के जरिए अगर प्रथम प्रधानमंत्री के बारे में बोलना गुनाह है तो मैं इस गुनाह को बार-बार करना चाहूंगा।

हमारा मकसद यहीं है बच्चे भी देश के प्रथम प्रधानमंत्री की शिक्षा नीतियों और देश के विकास में दिए गए उनके योगदान के बारे में विस्तृत जानकारी हासिल कर सकें।

दैनिक सवेरा : द विजनरी पुस्तक से छात्रों को क्या फायदा होगा?

डा. राजेश : मैं कांग्रेस का एक सिपाही भी हूं और मुझे शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष की यह जिम्मेदारी मिली है। कांग्रेस का सिपाही होने के नाते मैंने शिक्षा बोर्ड और छात्रों के हित को ध्यान में रखते हुए दि विजनरी नामक एक पुस्तक बोर्ड के माध्यम से लॉंच की है, जो सभी स्कूलों में पहुंचाई जा रही है। इसका पूरा कंटेंट जवाहरलाल नेहरू मेमोरियल से लिया गया है। शिक्षा बोर्ड के अंतर्गत आने वाले छात्रों की उम्र लगभग 18 वर्ष तक होती है और इस किताब में वही बातें लिखी गई हैं जो 18 वर्ष के छात्रों की पढ़ाई, देश के प्रति निष्ठा और भविष्य में रोजगार के साधन विकसित करने में मदद कर सकती हैं।

दैनिक सवेरा : विपक्षी दल भाजपा दि विजनरी पुस्तक शिक्षा बोर्ड के जरिए स्कूलों और छात्रों तक पहुंचाने का लगातार विरोध कर रहा है, आपका भाजपा को क्या संदेश है?

डा. राजेश : भाजपा के साथियों से मेरा निवेदन है कि वे भारत के निवासी हैं, भारत जितना उनका है, उतना ही हमारा भी है। वे इस पुस्तक को जरूर पढ़ें और स्वयं कहें कि इसे पूरे भारत वर्ष में लागू किया जाए। यह किताब देश के प्रथम प्रधानमंत्री की शिक्षा नीतियों पर हैं। इसे कांग्रेस न मानकर देश केप्रथम प्रधानमंत्री के संदर्भ में जोड़ कर पढ़ा और पढ़ाया जाए।

दैनिक सवेरा : प्रदेश के कई स्कूलों में शिक्षकों की कमी है, जिसका असर परीक्षा परिणाम पर भी पड़ता है, इस चुनौती से कैसे पार पाएंगे?

डा. राजेश : मैंने पहले ही स्पष्ट किया है कि सीएम सुक्खू बच्चों को बेहतर शिक्षा देने की दिशा में काम कर रहे हैं और स्कूलों में शिक्षकों की कमी को पूरा किया जा रहा है। रही, शिक्षा बोर्ड की बात तो जो जिम्मेदारी मुझे दी गई है, उसके लिए मैं पूरी तरह तैयार हूं। अभी हम शिक्षा में कुछ नया शुरू कर रहे हैं, ताकि बच्चों को कोई परेशानी न हो। पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर 10वीं कक्षा की उत्तर पुस्तिकाएं ऑनलाइन साइट पर डालने की व्यवस्था की जा रही है, जिसमें बच्चे स्वयं क्लिक करके अपनी आंसर शीट देख सकेंगे।

दैनिक सवेरा : कुछ माता-पिता सरकारी स्कूलों की बजाय प्राइवेट स्कूलों का रुख क्यों कर रहे हैं?

डा. राजेश : हमारे स्कूलों में सबसे पहली प्राथमिकता यह रहती है कि बच्चों और अध्यापकों को हर प्रकार की सहायता उपलब्ध करवाई जाए। अगर कुछ कमियां हैं तो उन्हें जल्द पूरा कर दिया जाएगा।

दैनिक सवेरा : हाल ही में प्रदेश सरकार ने कुछ स्कूलों को सीबीएसई में शामिल करने का निर्णय लिया गया, ऐसा क्यों?

डा. राजेश : हिमाचल प्रदेश सरकार के पास शिक्षा विभाग है और सरकारी स्कूल उसी के अधीन आते हैं। सीएम सुक्खू बच्चों को बेहतर शिक्षा देने की पहल कर रहे है, यानी जो बच्चा सीबीएसई सिलेबस पढ़ना चाहता है वह पढ़ सकता है। प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड भी बच्चों को बेहतर शिक्षा देने पर काम कर रहा है। इसलिए सीएम सुक्खू के निर्णय स्वागत योग्य है क्योंकि मकसद बच्चों को अच्छी शिक्षा देने से जुड़ा है।

Anant Gyan

प्रदेश में दसवीं कक्षा के लिए साल में दो बार परीक्षा की नीति अधिसूचित

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला। प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप शैक्षणिक सत्र 2025-26 से कक्षा 10वीं के लिए वर्ष में दो बार बोर्ड परीक्षा आयोजित करने की नई नीति अधिसूचित की है। बोर्ड अधिनियम-1968 की धारा 19(3) के तहत अध्यक्ष द्वारा जारी आदेश के अनुसार, पहली परीक्षा फरवरी-मार्च में मुख्य परीक्षा के रूप में और दूसरी परीक्षा जून-जुलाई में सुधार परीक्षा के रूप में आयोजित होगी। बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने बताया कि मुख्य परीक्षा के आधार पर छात्रों को तीन श्रेणियों आवश्यक सुधार, वैकल्पिक सुधार और अनिवार्य पुनरावृत्ति में वर्गीकृत किया जाएगा। आवश्यक सुधार श्रेणी वाले छात्रों को दो विषयों में सुधार का अवसर मिलेगा, जबकि सभी विषयों में पास छात्र तीन विषयों तक वैकल्पिक सुधार दे सकेंगे। तीन विषयों से कम में उत्तीर्ण न होने वाले विद्यार्थी दूसरी परीक्षा के पात्र नहीं होंगे। खेल गतिविधियों, खराब मौसम, बीमारी या दुर्घटना जैसी परिस्थितियों में परीक्षा से अनुपस्थित रहे विद्यार्थियों को नियमानुसार दूसरी परीक्षा में अवसर दिया जाएगा। प्रथम परीक्षा का परिणाम अप्रैल/मई में और द्वितीय परीक्षा का परिणाम जुलाई/अगस्त में घोषित किया जाएगा। दोनों परीक्षाओं में से बेहतर प्राप्तांक को अंतिम मानां जाएगा। कक्षा जमा एक (11वीं) में प्रवेश के लिए आवश्यक सुधार श्रेणी वाले विद्यार्थियों को अस्थायी प्रवेश मिल सकेगा, बशर्ते वे नियमानुसार 10वीं की परीक्षा उत्तीर्ण करें।

फरवरी-मार्च में मुख्य और जून-जुलाई में सुधार परीक्षा आयोजित करेगा बोर्ड

Scanned by Scanner Go

Anant Gyan

हिमाचल में 10वीं, जमा दो की बोर्ड परीक्षाएं 3 मार्च से

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला

हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के तहत शैक्षणिक सत्र 2025-26 के दसवीं व जमा दो श्रेणी नियमित व एसओएस के परीक्षार्थियों की वार्षिक परीक्षाएं 3 मार्च, 2026 से शुरू होंगी। बोर्ड अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने बताया कि दसवीं और जमा दो की नियमित एवं एसओएस परीक्षाएं 3 मार्च से शुरू होंगी। 10वीं की परीक्षाएं 28 मार्च तक, जबकि जमा दो की एक अप्रैल तक आयोजित की जाएंगी। इसके अलावा प्रैक्टिकल परीक्षाएं 20 फरवरी से 28 फरवरी के बीच आयोजित होंगी। लिखित परीक्षाएं प्रातः कालीन सत्र में 9:45 से अपराह्न 1 बजे तक आयोजित होंगी। उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन कार्य के बाद 30 अप्रैल 2026 को परीक्षा परिणाम घोषित किया जाएगा।

Scanned by Scanner Go

The Tribune

Board announces dates for Class X, XII exams

TRIBUNE NEWS SERVICE

DHARAMSALA, NOVEMBER 26

The Himachal Pradesh Board of School Education (HPBOSE) on Wednesday released the annual examination schedule for Class 10 and Class 12 (Regular and Open School) for the academic session 2025–26.

Board Chairman Dr Rajesh Sharma informed that both practical and theory examinations will be conducted between February and April 2026.

According to a notification issued by the board today, the practical exams for Class 10 and Class 12 (Regular and Open School) will be held from February 20 to February 28.

The theory examinations for Class 10 will take place from March 3 to March 28, while Class 12 exams will be conducted from March 3 to April 1, 2026. All theory papers will be held in the morning session from 9:45 am to 1:00 pm, Dr Sharma said.

The board has also issued the evaluation schedule. The collection of answer books from examination centres will begin on March 12 followed by opening and receiving of packets on March 17. The spot evaluation will commence on April 2 and conclude on April 22. The processing of results is scheduled for April 23 and the board aims to declare the annual results on April 30.

Scanned by Scanner Go

Divya Himachal

10वीं-12वीं की बोर्ड परीक्षाएं तीन मार्च से

30 अप्रैल को परिणाम घोषित करने का शेड्यूल भी पहली बार जारी

स्टाफ रिपोर्टर — धर्मशाला

■ इस बार 9:45 से एक बजे तक होंगे बोर्ड एग्जाम

हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड धर्मशाला के तहत राज्य भर में शैक्षणिक सत्र 2025-26 के दसवीं व जमा दो श्रेणी नियमित व राज्य मुक्त विद्यालय (एसओएस) के परीक्षार्थियों की वार्षिक परीक्षा, कंपार्टमेंट/श्रेणी सुधार/अतिरिक्त विषय की परीक्षाएं तीन मार्च, 2026 से शुरू होंगी। इसके साथ ही शिक्षा बोर्ड की ओर से पहली बार बोल्ड निर्णय लेते हुए परिणाम घोषित करने की तिथि भी घोषित कर दी गई है, जिसमें दसवीं व जमा दो की परीक्षाएं पहली अप्रैल को समाप्त होंगी, जबकि 30 अप्रैल को पहला परिणाम बोर्ड की ओर से जारी कर दिया जाएगा। वहीं, इस बार

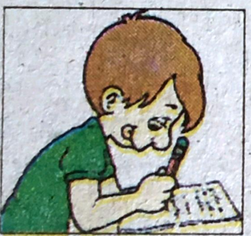

परीक्षाओं की समयसारिणी में भी बड़ा बदलाव किया है। इसके तहत अब परीक्षाओं को आठ बजकर 45 मिनट से 12 बजे के बजाय नौ बजकर 45 मिनट से एक बजे तक करवाया जाएगा। बोर्ड अध्यक्ष डा. राजेश शर्मा ने बताया कि दसवीं और जमा दो की नियमित एवं एसओएस परीक्षाएं तीन मार्च, 2026 से शुरू होंगी। 10वीं की परीक्षाएं 28 मार्च तक आयोजित की जाएंगी, जबकि जमा दो की पहली अप्रैल तक आयोजित की जाएंगी। 30 अप्रैल को परीक्षा परिणाम घोषित किया जाएगा।

20 फरवरी से प्रैक्टिकल

धर्मशाला। शैक्षणिक सत्र 2025-26 की दसवीं और जमा दो (नियमित व राज्य मुक्त विद्यालय- एसओएस) की प्रायोगिक परीक्षाएं 20 फरवरी से 28 फरवरी तक आयोजित की जाएंगी। उत्तर पुस्तिकाओं का संग्रह 12 मार्च, प्राप्त और खोलने की तिथि 17 मार्च, मूल्यांकन हेतु तैयारी 21 मार्च, स्पॉट मूल्यांकन का आरंभ दो अप्रैल और समापन 22 अप्रैल, परिणाम प्रसंस्करण 23 अप्रैल तथा परिणाम 30 अप्रैल को घोषित किए जाएंगे। डा. शर्मा ने बताया कि परीक्षा की प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और निष्पक्ष होगी ताकि सभी छात्रों को समय पर और सही परिणाम मिल सकें।

Scanned by Scanner Go

अब दसवीं की वर्ष में दो बार होगी बोर्ड परीक्षा

फरवरी-मार्च में वार्षिक परीक्षा व जून-जुलाई में होगी सुधार परीक्षा, बोर्ड ने जारी किए आदेश

संवाद सहयोगी, जागरण • धर्मशाला : राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत शैक्षणिक सत्र 2025-26 से हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड दसवीं कक्षा की वर्ष में दो बार बोर्ड परीक्षा संचालित करेगा।

शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डा. राजेश शर्मा ने बोर्ड अधिनियम-1968 की धारा 19(3) के तहत जारी आदेश में साफ किया है कि पहली परीक्षा फरवरी-मार्च में मुख्य परीक्षा के रूप में और दूसरी परीक्षा जून-जुलाई में सुधार परीक्षा के रूप में संचालित की जाएगी।

मुख्य परीक्षा के आधार पर विद्यार्थियों को तीन श्रेणियों आवश्यक सुधार, वैकल्पिक सुधार और अनिवार्य पुनरावृत्ति में वर्गीकृत किया जाएगा। आवश्यक सुधार श्रेणी वाले छात्रों को दो विषयों में सुधार का अवसर मिलेगा जबकि सभी विषयों में पास विद्यार्थी तीन विषयों तक वैकल्पिक सुधार परीक्षा दे सकेंगे। तीन विषयों से कम में उत्तीर्ण न होने वाले विद्यार्थी, दूसरी परीक्षा के पात्र नहीं होंगे।

इसी तरह खेल गतिविधियों, प्रतिकूल मौसम, बीमारी या दुर्घटना जैसी परिस्थितियों में परीक्षा से अनुपस्थित रहे विद्यार्थियों को नियमानुसार दूसरी परीक्षा में अवसर दिया जाएगा।

प्रथम परीक्षा का परिणाम अप्रैल/मई में और द्वितीय का परिणाम जुलाई/अगस्त में घोषित किया जाएगा। दोनों परीक्षाओं में से बेहतर प्राप्तांक को अंतिम माना जाएगा। बोर्ड अध्यक्ष ने साफ किया कि जमा एक में प्रवेश के लिए आवश्यक सुधार श्रेणी वाले विद्यार्थियों को अस्थायी प्रवेश मिल सकेगा, बशर्ते वे नियमानुसार 10वीं की परीक्षा उत्तीर्ण करें।

एमए संस्कृत का पेपर नाटक व काव्य का, प्रश्न पूछ लिए न्याय वैशेषिक से

जागरण संवाददाता, शिमला : हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय की ओर से बुधवार को करवाई एमए संस्कृत के पहले सत्र की परीक्षा में आए प्रश्नपत्र को देखकर छात्र दंग रह गए। परीक्षार्थियों का दावा है कि प्रश्नपत्र में काफी प्रश्न दूसरी किताब से डाल दिए थे। परीक्षार्थियों ने प्रश्नपत्र पढ़ने के बाद यह मामला मौके पर तैनात शिक्षकों व अधिकारियों के समक्ष उठाया तो इसे विश्वविद्यालय प्रशासन के समक्ष लाया गया। इसके बाद परीक्षा पत्र में सुधार किया गया।

परीक्षार्थियों का आरोप है कि प्रश्नपत्र को दुरुस्त करने में लगभग एक घंटे का समय लग गया। परीक्षार्थियों ने विश्वविद्यालय प्रशासन से मांग की है कि समय कम होने के चलते अधिकतर छात्र अपने पेपर को सही तरीके से नहीं कर पाए हैं।

उन्होंने अतिरिक्त अंक देने की मांग की है। बुधवार को विश्वविद्यालय के सभी परीक्षा केंद्रों में प्रथम सत्र का नाटक व काव्य का पेपर था। इसमें काफी प्रश्न न्याय वैशेषिक से पूछे गए। वहीं

प्रदेशभर के परीक्षा केंद्रों में परीक्षार्थियों को झेलनी पडी परेशानी
सूचना मिलते ही कर दिया था सुधार : मुख्य परीक्षा नियंत्रक

हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय को गलती का अहसास होने के बाद इसे पेपर आरंभ होनें के लगभग एक घंटे बाद सुधारा गया। इसके बाद विद्यार्थियों को फिर से पेपर के प्रिंट दिए गए।

हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के मुख्य परीक्षा नियंत्रक प्रोफेसर श्याम लाल ने माना कि परीक्षा के दौरान प्रश्नों का मामला सामने आया है। विश्वविद्यालय की सीक्रेसी ब्रांच ने त्वरित कार्रवाई कर इसमें सुधार कर दूसरे प्रश्न भेजे। इसके बाद परीक्षा सामान्य तरीके से हुई।

124 पीएमश्री विद्यालय एचपी फ्यूचर्स कार्यक्रम के लिए होंगे माडल स्कूल

- शिक्षक प्रशिक्षण, खेलों को बढ़ावा देने और ईको क्लब को सुदृढ़ करने पर होगा काम
- शिक्षक परामर्श एवं प्रदर्शनी कार्यक्रम में पीएमश्री स्कूलों के समन्वयक हुए शामिल

राज्य ब्यूरो, जागरण • शिमला : समग्र शिक्षा अभियान के राज्य परियोजना निदेशक राजेश शर्मा ने कहा है कि प्रदेश के 124 पीएमश्री विद्यालय एचपी फ्यूचर्स कार्यक्रम के लिए माडल स्कूल होंगे। इन स्कूलों में शिक्षक प्रशिक्षण, खेलों को बढ़ावा देने, ग्रीनिंग गतिविधियों और ईको क्लब को सुदृढ़ करने के लिए कार्य किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को आधुनिक कौशलों से सशक्त बनाना है। राजेश शर्मा समग्र शिक्षा के तहत यूनेस्को और शिक्षा विभाग द्वारा शिमला में मिशन लाइफ के लिए ईको क्लब विषय पर आयोजित राज्यस्तरीय शिक्षक परामर्श एवं प्रदर्शनी कार्यक्रम में संबोधित कर रहे थे। यह कार्यक्रम एचपी फ्यूचर्स परियोजना के तहत आयोजित किया गया।

ईको क्लब छात्रों को कचरा अलग करने, प्लास्टिक उपयोग में कमी, पानी और बिजली की बचत, जैव विविधता संरक्षण और स्थानीय जलवायु कार्रवाई जैसी पहलों के माध्यम से मिशन लाइफ से जुड़ी गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल करेंगे। प्रतिभागियों ने मौजूदा ईको क्लब गतिविधियों की समीक्षा की और उनमें मौजूद कमियों की पहचान कर सामुदायिक भागीदारी बढ़ाने व स्कूल परिसरों को अधिक जलवायु संवेदनशील तथा संसाधन कुशल बनाने की आवश्यकताओं पर चर्चा की।

कार्यक्रम में 11 जिलों के पीएमश्री स्कूलों से आए 23 ईको क्लब समन्वयकों ने भाग लिया। प्रतिभागियों ने पर्यावरण शिक्षा, जलवायु जागरूकता और विद्यालयों में अपनाए जा रहे टिकाऊ उपायों से जुड़े अनुभव साझा किए। इस दौरान छात्रों द्वारा तैयार किए नवाचारी प्रोजेक्ट और ग्रीन कैंपस पहल की प्रदर्शनी लगाई गई। इसकी सभी ने सराहना की।

Dainik Jagaran

Scanned by Scanner Go

Amar Ujala

10वीं और 12वीं की वार्षिक परीक्षाएं तीन मार्च से

स्कूल शिक्षा बोर्ड ने जारी किया नियमित और एसओएस परीक्षाओं का शेड्यूल, 30 अप्रैल तक परिणाम किया जाएगा घोषित

अमर उजाला ब्यूरो

धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड ने 10वीं और 12वीं कक्षा की वार्षिक परीक्षाओं के लिए शेड्यूल जारी कर दिया है। ये परीक्षाएं 3 मार्च से शुरू होंगी। बोर्ड इनका 30 अप्रैल तक परिणाम घोषित कर देगा।

हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने बताया कि 10वीं और 12वीं कक्षा की परीक्षाएं नियमित और राज्य मुक्त विद्यालय (एसओएस) के लिए होंगी। 10वीं कक्षा की परीक्षाएं 3 से 28 मार्च तक होंगी।

इसके अलावा 12वीं कक्षा की परीक्षाएं 3 मार्च से 1 अप्रैल तक ली जाएंगी। उत्तरपुस्तिकाओं का संग्रहण 12 मार्च से शुरू होगा और मूल्यांकन 2 अप्रैल से 22 अप्रैल तक चलेगा। 23 अप्रैल से रिजल्ट की घोषणा की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। 30 अप्रैल तक परिणाम घोषित कर दिए जाएंगे।

10वीं : नियमित, एसओएस की डेटशीट

3 मार्चः अंग्रेजी
5 मार्चः म्यूजिक (वोकल)
6 मार्चः हिंदी
7 मार्चः फाइनेंशियल लिटरेसी
11 मार्चः गणित
14 मार्चः साइंस एंड टेक्नोलॉजी
16 मार्चः कंप्यूटर साइंस
17 मार्चः म्यूजिक (इंस्ट्रूमेंटल)
18 मार्चः होम साइंस
20 मार्चः उर्दू, तमिल, तेलगू, संस्कृत, पंजाबी
23 मार्चः आर्ट, इकॉनोमिक्स, कॉमर्स, ऑटोमोटिव, प्राइवेट सिक्योरिटी, रिटेल, इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी, हेल्थकेयर, एग्रीकल्चर, टूरिज्म एंड हॉस्पिटैलिटी, टेलिकॉम, फिजिकल एजुकेशन, बीएफसीआई, मीडिया एंड एंटरटेनमेंट, प्लंबर, ब्यूटी एंड वेलनेस, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड हार्डवेयर, एप्परेल्स, मेड अप एंड होम फर्निशिंग, फूड प्रोसेसिंग
23 मार्चः सोशल साइंस

12वीं : नियमित, एसओएस की डेटशीट

3 मार्चः संस्कृत
5 मार्चः अंग्रेजी
6 मार्चः पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन
7 मार्चः अर्थशास्त्र
9 मार्चः भौतिक विज्ञान
10 मार्चः समाजशास्त्र
11 मार्चः फाइन आर्ट्स
12 मार्चः हिंदी और उर्दू
13 मार्चः अकाउंटेंसी, जीव विज्ञान
14 मार्चः मनोविज्ञान
16 मार्चः फ्रेंच
17 मार्चः राजनैतिक शास्त्र
18 मार्चः फिलॉसफी
19 मार्चः गणित
20 मार्चः नृत्य
23 मार्चः रसायन विज्ञान और बिजनेस स्टडीज
24 मार्चः ह्यूमन इकोलॉजी और होम साइंस
25 मार्चः भूगोल
27 मार्चः इतिहास
28 मार्चः फाइनेंशियल लिटरेसी
30 मार्चः शारीरिक शिक्षा, योग, कंप्यूटर साइंस, एग्रीकल्चर, ऑटोमोटिव, हेल्थकेयर, सूचना प्रौद्योगिकी इनवेल साइंस, मीडिया एवं मनोरंजन, रिटेल, शारीरिक शिक्षा (एनक्यूएफ), टूर एंड हॉस्पिटैलिटी (एनक्यूएफ), बैंकिंग, फाइनेंस एवं इंश्योरेंस (एनक्यूएफ), एप्परेल्स, मेकअप एवं होम फर्निशिंग, ब्यूटी एवं वेलनेस, इलेक्ट्रॉनिक एवं हार्डवेयर, प्लंबर, फूड प्रोसेसिंग
1 अप्रैलः म्यूजिक

सोलन ने शिमला और

Scanned by Scanner Go

Punjab Kesari

हिमाचल बोर्ड 10वीं की दो बोर्ड परीक्षाओं की नीति मार्च 2026 से लागू

धर्मशाला, 26 नवम्बर (ब्यूरो): हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप शैक्षणिक सत्र 2025-26 से कक्षा 10वीं के लिए वर्ष में 2 बार बोर्ड परीक्षा आयोजित करने की नई नीति अधिसूचित की है। बोर्ड सचिव डॉ. मेजर विशाल शर्मा ने बताया कि बोर्ड अधिनियम के तहत अध्यक्ष द्वारा जारी आदेश के अनुसार पहली परीक्षा फरबरी-मार्च में मुख्य परीक्षा के रूप में और दूसरी परीक्षा जून-जुलाई में सुधार परीक्षा के रूप में आयोजित होगी।

मुख्य परीक्षा के आधार पर विद्यार्थियों को 3 श्रेणियों आवश्यक सुधार, वैकल्पिक सुधार और अनिवार्य पुनरावृत्ति में वर्गीकृत किया जाएगा। आवश्यक सुधार श्रेणी वाले छात्रों को 2 विषयों में सुधार का अवसर मिलेगा, जबकि सभी विषयों में पास छात्र 3 विषयों तक वैकल्पिक सुधार दे सकेंगे।

3 विषयों से कम में उत्तीर्ण न होने वाले विद्यार्थी दूसरी परीक्षा के पात्र नहीं होंगे। खेल गतिविधियों, खराब मौसम, बीमारी या दुर्घटना जैसी परिस्थितियों में परीक्षा से अनुपस्थित रहे विद्यार्थियों को नियमानुसार दूसरी परीक्षा में अवसर दिया जाएगा। प्रथम परीक्षा का परिणाम अप्रैल, मई में और द्वितीय परीक्षा का परिणामं जुलाई, अगस्त में घोषित किया जाएगा।

दोनों परीक्षाओं में से बेहतर प्राप्तांक को अंतिम माना जाएगा। बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि कक्षा जमा एक (11वीं) में प्रवेश के लिए आवश्यक सुधार श्रेणी वाले विद्यार्थियों को अस्थायी प्रवेश मिल सकेगा, बशर्ते वे नियमानुसार 10वीं की परीक्षा उत्तीर्ण करें।

Scanned by Scanner Go

Punjab Kesari

हिमाचल में 10वीं व जमा दो की परीक्षाएं 3 मार्च से

धर्मशाला, 26 नवम्बर (ब्यूरो): हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डा. राजेश शर्मा ने शैक्षणिक सत्र 2025-26 की 10वीं और जमा दो (नियमित व राज्य मुक्त विद्यालय-एस.ओ.एस.) परीक्षाओं की तिथियां और समयसारिणी घोषित की है।

प्रायोगिक परीक्षाएं दोनों कक्षाओं के लिए 20 से 28 फरवरी तक आयोजित की जाएंगी, जबकि लिखित परीक्षाएं 10वीं के लिए 3 मार्च से 28 मार्च और जमा दो के लिए 3 मार्च से 1 अप्रैल तक प्रातःकालीन सत्र में (9.45 से 1.00 बजे तक) आयोजित होंगी।

स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष ने कहा कि उत्तर पुस्तिकाओं का संग्रह 12 मार्च, प्राप्त और खोलने की तिथि 17 मार्च, मूल्यांकन हेतु तैयारी 21 मार्च, स्पॉट मूल्यांकन का आरंभ 2 अप्रैल और समापन 22 अप्रैल, परिणाम प्रसंस्करण 23 अप्रैल तथा परिणाम 30 अप्रैल को घोषित किए जाएंगे। डॉ. शर्मा ने बताया कि परीक्षा की प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और निष्पक्ष होगी, ताकि सभी छात्रों को समय पर और सही परिणाम मिल सकें।

Scanned by Scanner Go